DR. BHIM RAO AMBEDKAR COLLEGE

(University of Delhi)

Main Wazirabad Road, Yamuna Vihar, Delhi-110094, Phones: 22814126, Telefax: 22814747
Email: info@drbrambedkarcollege.ac.in; brambedkarcollege.du@gmail.com;
principal@drbrambedkarcollege.ac.in; www.drbrambedkarcollege.ac.in

drbrac @bhim_ambedkar brambedkarcollege DrBRAC DU DrBRAC DU

Ref: DRBRAC/PO/Press Release/2023-24/ Dated: 05.11.2023

प्रेस विज्ञप्ति

बाबा साहेब का महापरिनिर्वाण दिवस बने हमारे लिए प्रेरणा दिवस

दिल्ली के यमुना पार इलाके में अवस्थित दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव अम्बेकर महाविद्यालय में बाबा साहेब के परिनिर्वाण दिवस पर विचार-परिचर्चा का आयोजन किया गया . महाविद्यालय द्वारा आयोजित "डॉ. अम्बेडकरः उनका जीवन, उनका लक्ष्य" विषय पर आयोजित इस परिचर्चा में अतिथि वक्ताओं ने बाबा साहेब के जीवन-संघर्ष, अनवरत परिश्रम, राष्ट्र के प्रति समर्पण और लक्ष्य से जुड़े विविध प्रसंगों का एक बार पुनः स्मरण किया. इस मौक़े पर उपस्थित अतिथियों का औपचारिक स्वागत करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर आर.एन. दुबे ने बाबा साहेब से जुड़े उन प्रसंगों की चर्चा की जो आमतौर पर विस्मृत कर दिए गए हैं.

प्रोफेसर आर. एन. दुबे ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि जिन विपरीत परिस्थितियों में बाबा साहेब ने राष्ट्र के समक्ष मानदंड स्थापित किए, उन्हें बरक़रार रखना, हम सबका परम कर्तव्य है. सामाजिक रूढ़ियों से जकड़े हुए समाज के बीच लगातार अपमान सहते हुए उन्होंने जिस संविधान की रचना की, भारतीय रिजर्व बैंक की परिकल्पना की और औपनिवेशिक भारत में स्त्रियों के लिए मातृत्व अवकाश की माँग रखी, यह सब कर पाना आसान काम नहीं रहा. भाषा, भारतीयता और संस्कृति को लेकर उनके जो भी विचार रहे हैं वो आज भी सामाजिक परिवर्तन के लिए बेहद महत्वपूर्ण कारक हैं जिन्हें कि अपनाया जाना चाहिए.

डॉ. अम्बेडकर की शिक्षा संबंधी दृष्टिकोण पर बात करते हुए मुख्य अतिथि सुधीर चौधरी, पूर्व डीजीपी(हरियाणा) ने जोर देकर कहा कि हम जिस वर्ग को शिक्षा का महत्व समझाना चाहते हैं, उनके बीच इस समझ का विकास होना बेहद ज़रूरी है कि हमारे लिए शिक्षा ही सबसे बड़ी पूंजी है और इसके माध्यम से हम अपने साथ-साथ आनेवाली पीढ़ियों का भविष्य सुधार सकते हैं. बाबा साहेब की शिक्षा संबंधी नीतियों से गुज़रते हुए हमें इस बात की प्रेरणा मिलती है कि शिक्षा के संबंध में हमारा एक व्यावहारिक दृष्टिकोण हो जिसमें कि अपनी क्षमता की पहचान, जीवकोपार्जन के संसाधनों का विकास, मातृभाषा का विकास और कौशल क्षमता का विकास जैसी बातें शामिल हों. तकनीक का उपयोग इसे सिरे से करने की समझ विकसित हो कि वह वृहत्तर समाज के हितों का कल्याण कर सके.

बाबा साहेब करोड़ों लोगों की आशा की किरण हैं, उन्होंने मानव समुदाय के लिए जितना कुछ किया, वैसा कोई दूसरा अवतार लेकर ही संभव है. वो हमारे देश और मानवता के गौरव हैं. विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर जी.एस. चौहान, संयुक्त सचिव, यूजीसी ने बाबा साहेब के कथन- शिक्षित बनो, संघर्ष करो और संगठित बनो को दोहराते हुए उनके जीवन संघर्ष की विस्तारपूर्वक चर्चा की और उन्हें दुनियाभर के लोगों के लिए आशा की किरण बताया. छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज का सबसे शक्तिशाली व्यक्ति होते हैं, वो आपके भीतर सपने भरने का काम करते हैं, वही सपने देश के भविष्य बनकर जगमगाते हैं. बाबा साहेब के शिक्षकों ने उनके भीतर के सपनों को मरने नहीं दिया और वो दुनिया के लिए मिसाल बन पाए.

बाबा साहेब का यह महापरिनिर्वाण दिवस महज औपचारिकता बनकर न रह जाय बल्कि यह हम सबके लिए प्रेरणा लेने का दिन हो, महाविद्यालय की गवर्निंग बॉडी के चेयरमैन प्रोफेसर पंकज त्यागी ने इसी अपील के साथ अपनी बातचीत की शुरुआत की. उन्होंने छात्रों से अपील करते हुए विस्तारपूर्वक बताया कि कैसे डॉ. अम्बेडकर ने अर्थशास्त्र, राजनीति और क़ानून की जो पढ़ाई की, उनका उपयोग भारत की बैंकिक प्रणाली, समतामूलक समाज निर्माण और संविधान को रचने के काम में लगाया. उनके पूरे जीवन से हमें यह प्रेरणा लेनी चाहिए कि शिक्षा का सबसे बेहतर उपयोग जीवन व्यवहार में उसकी उपयोगिता का विस्तार करना है. अलग-अलग विषयों का अध्ययन करके उन्होंने हमें बताया कि कैसे अन्तर्अनुशासनात्मक शिक्षा, ज्ञान की दुनिया का विस्तार करते हैं और समाज के लिए अधिक उपयोगी साबित होते हैं.

डॉ. भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय द्वारा आयोजित इस परिचर्चा में अतिथि वक्ताओं सहित महाविद्यालय के दर्जनों शिक्षक एवं सैंकड़ों छात्र शामिल रहे और प्रोफेसर त्यागी के प्रस्ताव को अपनाए जाने का वादा किया. मंच संचालन का कार्य, कार्यक्रम की सह-संयोजक एवं हिन्दी पत्रकारिता की प्रोफेसर शशि रानी ने किया. कार्यक्रम संयोजक एवं वाणिज्य की प्रोफेसर दीपाली जैन ने आमंत्रित अतिथियों, श्रोताओं एवं सहयोगियों का औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन किया. कार्यक्रम का समापन सामूहिक स्तर पर राष्ट्रगान प्रस्तुति से किया गया. इस मौके पर अतिथि वक्ताओं ने बाबा साहेब की स्मृति में महविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्य भी किया.

मीडिया प्रभारी

06.12

DR. BHIM RAO AMBEDKAR COLLEGE

(University of Delhi)

Main Wazirabad Road, Yamuna Vihar, Delhi-110094, Phones: 22814126, Telefax: 22814747
Email: info@drbrambedkarcollege.ac.in; brambedkarcollege.du@gmail.com;
principal@drbrambedkarcollege.ac.in; www.drbrambedkarcollege.ac.in

drbrac @bhim_ambedkar brambedkarcollege DrBRAC DU DrBRAC DU

Ref: DRBRAC/PO/Exam./2023-24/ Dated: 06.12.2023

PRESS RELEASE

"Memorial Lecture to Commemorate 68th *Mahaparinirvan Diwas* of Baba Saheb"

Dr Bhim Rao Ambedkar College, University of Delhi, organised 18th Memorial Lecture on "Dr Ambedkar : His Life and His Mission" on 6th December 2023 in the College Auditorium to pay homage to Baba Saheb Dr Bhim Rao Ambedkar on his 68th death anniversary.

The Program started with the lighting of the lamp and Saraswati Vandana followed with offering floral tributes to Baba Saheb Dr Bhim Rao Ambedkar. The NCC Cadets of the College gave a guard of honour to the dignitaries.

In his welcome address, Prof R. N. Dubey, the officiating Principal of the College, shed light on Ambedkar's journey and achievements while emphasizing his commitment to social transformation. Prof Dubey pointed out the need to endorse the values cherished by Baba Saheb in one's real life. Outlining Baba Saheb's most notable contributions, as RBI, reforms in Labour Law and maternity leave for women, Prof Dubey emphasised that Baba Saheb's reputation as a visionary rests on these ideas. Prof Dubey said that Baba Saheb was not a supporter of partition of the country and advocated in favour of Sanskrit as a national language owing to its linguistic similarities with the languages of North and South. Prof Dubey asserted that the prime emphasis of Baba Saheb was on Education, which he considered as the only means of empowerment of the marginalised.

Chief Guest of the Occasion, Shri Sudhir Chowdhary, IPS, former DGP, Haryana, Special Monitor NHRC, reiterated that Education empowers us and that vicious circle/escape velocity requires extreme pressure in the beginning but in later course the efforts become smoother. This extreme effort in the initial stage of social-political and economic reform was made by Baba Saheb. Shri Chowdhary emphasised the need to recognise one's inherent abilities and become a skilled and trained worker in an era of artificial intelligence. Invoking the students Shri Chowdhary drew attention towards entrepreneurship and admonished to become a job-giver not a job-seeker.

Guest of Honour, Dr G.S. Chauhan, Joint Secretary, UGC, in his keynote address, stated a threefold ideal of Baba Saheb : education, struggle, and strength, which has given a ray of hope to multitudes. Dr Cahuhan observed that three things that can keep us committed are : rise above casteism, keep good company and respect your teachers. Dr Chauhan said that Dr Ambedkar was a harbinger of social change who strongly advocated for uprooting casteism and emphasized on character building based on wisdom.

The Program was chaired by Prof Pankaj Tyagi, Chairman, Governing Body. In his address Prof Tyagi observed that Baba Saheb's multidisciplinary Education is a precursor to the New Education Policy. Prof Tyagi hailed the students to improve the utility of their Education following the example of Baba Saheb who used his degree of Economics to bring reforms in the banking sector. Highlighting the uniqueness of Ambedkar's vision of social equality and justice, Prof Tyagi suggested to celebrate this day as a day of Inspiration.

The compering of the program was done by the co-coordinator Prof Shashi Rani.

In her valedictory note, the program co-ordinator Prof Deepali Jain, paid her formal vote of thanks to all the dignitaries present to grace the occasion. Prof Deepali also thanked the committee members, the teaching & non-teaching staff and students present in large number.

This year's Memorial Lecture is 18th in the series of annual lectures organised by the College since 2007 to pay tribute to Baba Saheb Dr Bhim Rao Ambedkar.

6/12/23